एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन 2023

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (Asia-Pacific Economic Cooperation- APEC) देशों का शिखर सम्मेलन 2023** संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्राँसिस्को में हुआ।

APEC देशों के शिखर सम्मेलन 2023 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- APEC 2023 शिखर सम्मेलन का विषय **"सभी के लिये एक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाना" है।**
- APEC ने मुक्त, निष्पक्ष और खुले व्यापार और निवेश तथा क्षेत्र में समावेशी एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिये अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- शिखर सम्मेलन **गोल्डन गेट घोषणा (Golden Gate Declaration)** को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
- घोषणा सभी सदस्य अर्थव्यवस्थाओं के लिये एक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।
- APEC नेताओं ने जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा पर APEC एक्शन एजेंडा का समर्थन किया, जिसमें जलवायु संकट को संबोधित करने तथा ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सहयोग एवं समन्वय बढ़ाने के लिये ठोस कार्यों व लक्ष्यों की एक रूपरेखा तैयार की गई।

एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग क्या है?

- **परिचय:**
  - APEC एशिया-प्रशांत की **बढ़ती परस्पर निर्भरता का लाभ उठाने के लिये** वर्ष 1989 में स्थापित एक क्षेत्रीय आर्थिक मंच है।
  - APEC का लक्ष्य **संतुलित, समावेशी, टिकाऊ, नवीन और सुरक्षित विकास को बढ़ावा देकर** तथा क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में तेज़ी लाकर क्षेत्र के लोगों को अधिक समृद्ध बनाना है।
  - APEC **प्रक्रिया सिंगापुर स्थित एक स्थायी सचिवालय द्वारा समर्थित** है।
- **सदस्य**:
  - ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, चीन, हॉन्गकॉन्ग, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मैक्सिको, न्यूज़ीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, पेरू, फिलीपींस, रूस, सिंगापुर, चीनी ताइपे, थाईलैंड, वियतनाम और संयुक्त राज्य अमेरिका।
  - **भारत को फिलहाल 'पर्यवेक्षक' का दरजा हासिल है।**

//

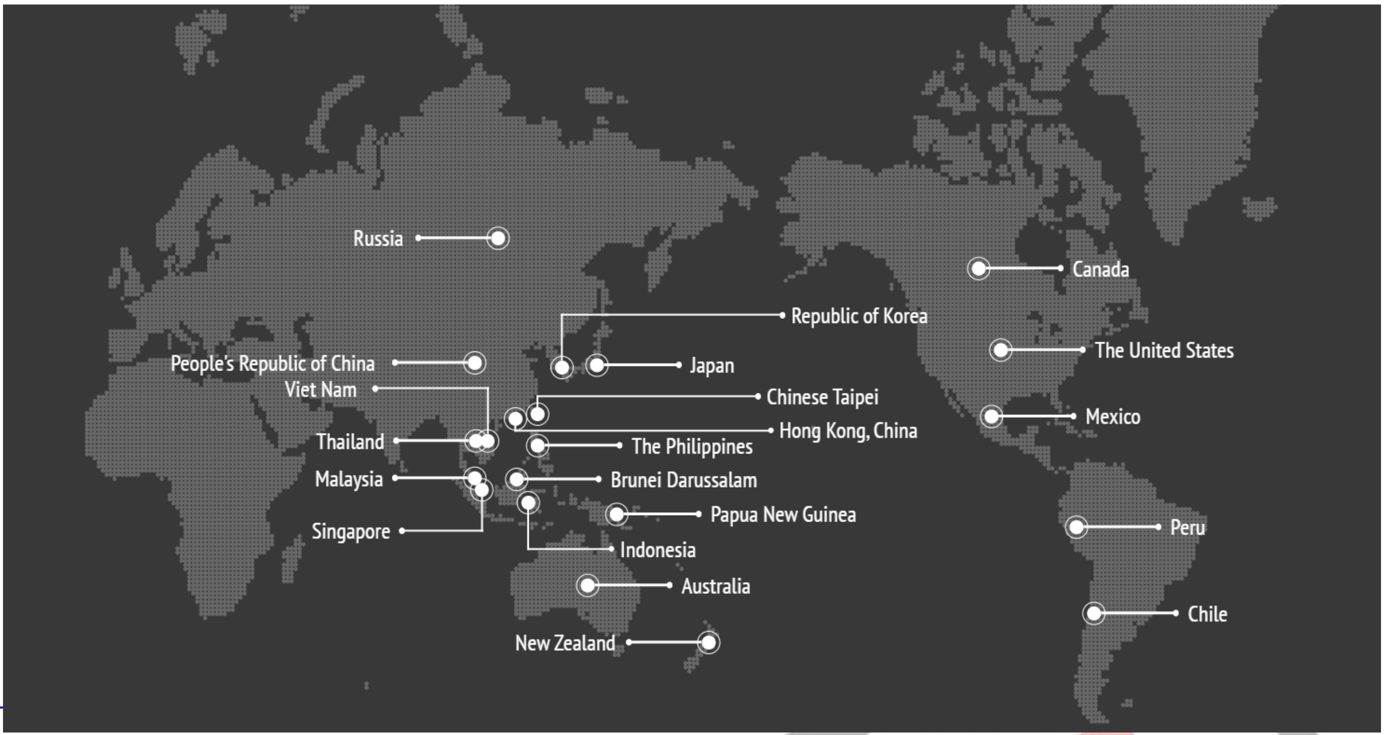

- **महत्त्व:**
  - **वर्ष 2021 में** APEC की हिस्सेदारी **विश्व सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 62% और विश्व व्यापार में 48% रही है।**
    - यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे पुराने और सबसे प्रभावशाली बहुपक्षीय प्लेटफॉर्मों में से एक है।
  - APEC का संचालन बिना किसी **बाध्यकारी प्रतिबद्धताओं या संधि दायित्वों के आधार** पर होता है। प्रतिबद्धताएँ स्वेच्छा से की जाती हैं और क्षमता-निर्माण परियोजनाएँ सदस्यों को APEC पहलों को लागू करने में सहायता करती हैं।
  - APEC का मुख्य लक्ष्य आर्थिक विकास और समृद्धि का समर्थन करना, क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को बढ़ाना, मानव सुरक्षा को मज़बूत करना तथा जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों का समाधान करना है।
- **भारत- APEC:**
  - भारत वर्ष 1991 में APEC में शामिल होना चाहता था, यह वही वर्ष था जब भारतीय अर्थव्यवस्था में उदारीकरण लागू किया गया था, जिसने भारत के साथ अन्य देशों को व्यापार करने में सक्षम बनाया।
    - कुछ APEC सदस्यों ने भारत को इस समूह में शामिल करने का समर्थन किया, वहीं कुछ APEC सदस्य इसके खिलाफ थे, क्योंकि उन्हें लगा कि **भारत में अभी भी बहुत सारे नियम और प्रतिबंध हैं** जिससे उनके लिये भारत के साथ व्यापार करना कठिन होगा।
  - भारत के APEC में शामिल न हो पाने का एक अन्य कारण यह था कि इस समूह ने **वर्ष 1997 में नए सदस्यों को शामिल न करने का निर्णय लिया,** ताकि वर्तमान सदस्यों के बीच मौजूदा सहयोग को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।
    - यह निर्णय वर्ष 2012 तक ही जारी रहना था लेकिन उसके बाद इसे नहीं बदला गया, इसलिये भारत अभी भी APEC में शामिल नहीं हो सका।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2009)

संगठन	**मुख्यालय का स्थान**
1. एशियाई विकास बैंक	टोक्यो
2. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग	सिंगापुर
3. दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संघ	बैंकॉक

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

- एशियाई विकास बैंक (ADB) 19 दिसंबर, 1966 को स्थापित एक क्षेत्रीय विकास बैंक है। इसकी कल्पना विश्व के सबसे निर्धन क्षेत्रों में तेज़ी से आर्थिक विकास और सहयोग की सुविधा के लिये एशियाई क्षेत्र हेतु वित्तीय संस्थान के रूप में की गई है। इसमें 68 सदस्य देश हैं जिनमें से 49 एशिया-प्रशांत क्षेत्र के तथा 19 बाहरी देश हैं। इसका मुख्यालय फिलीपींस के मेट्रो मनीला के मांडलुयॉन्ग शहर में स्थित ओर्टिगास सेंटर में है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) एशिया-प्रशांत की बढ़ती परस्पर निर्भरता का लाभ उठाने के लिये वर्ष 1989 में स्थापित एक क्षेत्रीय आर्थिक मंच है। APEC के 21 सदस्यों का लक्ष्य संतुलित, समावेशी, सतत्, नवीन एवं सुरक्षित विकास को बढ़ावा देकर तथा क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में तेज़ी लाकर क्षेत्र के लोगों के लिये अधिक समृद्धि लाना है। APEC का मुख्यालय सिंगापुर में है तथा APEC प्रक्रिया के लिये यह मूल समर्थन तंत्र के रूप में कार्य करता है। यह समन्वय, तकनीकी तथा सलाहकार सहायता के साथ-साथ सूचना प्रबंधन, संचार व सार्वजनिक आउटरीच सेवाएँ प्रदान करता है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन (आसियान) एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है जिसमें दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देश शामिल हैं, जो अंतर-सरकारी सहयोग को बढ़ावा देता है तथा अपने सदस्यों व अन्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सुरक्षा, सैन्य, शैक्षिक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है। इसका मुख्यालय जकार्ता, इंडोनेशिया में है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है

प्रश्न. भारत निम्नलिखित में से किसका/किनका सदस्य है? (2015)

1. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन)
2. दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशन्स)
3. पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईस्ट एशिया समिट)

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3
(d) भारत इनमें से किसी का भी सदस्य नहीं है

उत्तर: (b)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/asia-pacific-economic-cooperation-leaders-summit-2023